झांकियों में दिखा 'महामना के सपनों का भारत'

जूनियरों ने नृत्य से मन मोहा तो भावी इंजीनियरों ने ड्रोन से दी सलामी

जागरण संवाददाता, वाराणसी : काशी हिंदू विश्वविद्यालय के स्थापना पर विभिन्न संकायों से रविवार को झांकियां निकाली गईं। झांकियों की थीम के अनुसार छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़-नाटक के माध्यम से 'महामना के सपनों का भारत' दिखाया। इस दौरान जय हिंद, भारत माता की जय व हर-हर महादेव के उद्घोष से महामना की बगिया गुंजायमान हो गई। सीएचजीएस की जूनियर छात्राओं के नृत्य से झांकी की शुरुआत की गई। वहीं आइआइटी की टेक्नोलॉजी की प्रस्तुति से समापन हुआ। भावी इंजीनियरों ने कुलपति प्रो. राकेश भटनागर व अन्य अतिथियों को क्वाडकॉप्टर ड्रोन सलामी दी।

आइआइटी के 100 साल पूरा होने पर वर्तमान व पुरातन छात्रों में खास उत्साह देखने को मिला। संस्थान की झांकी राजपुताना चौराहे से मालवीय भवन होते हुए एमएमवी चौराहे तक निकाली गई। नेतृत्व निदेशक प्रो. पीके जैन ने किया। छात्रों द्वारा बनाई गई ग्रीन कार, प्रोटोटाइप कार, ड्रोन, कॉप्टर, क्वॉड कॉप्टर का प्रदर्शन किया गया। शताब्दी समारोह को दर्शाता ड्रोन झांकी में सबसे आगे उड़ता देख दर्शक उत्साहित हो गए। साथ ही संस्थान में निर्मित साइकिलिंग द्वारा गेहूं पिसाई के लिए आटा चक्की, धान कटाई की मिनी मशीन आदि का प्रदर्शन देख लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इसमें विशेष आकर्षण का केंद्र रहे देश-विदेश से आए 300 एलुमनाई और उनके परिवार के सदस्य। तीन किलोमीटर तक चलने वाली झांकी में नाचते गाते लोग चल रहे थे।

संकायों ने दिखाई अपनी उपलब्धियां

महामना ने वसंत पंचमी के ही दिन 1916 में बीएचयू की स्थापना की थी। करीब 3900 एकड़ में फैले एशिया के सबसे बड़े आवासीय विश्वविद्यालय यानी महामना की बगिया में आज आइआइटी, मेडिकल, कृषि, विज्ञान, पर्यावरण, प्रबंधन सहित छह संस्थान हैं। बीएचयू के मुख्य व दक्षिणी परिसर में 16 संकाय, 135 विभाग, एक महिला महाविद्यालय, दो अंतरविषयी विद्यालय मालवीय जी के सपनों को साकार कर रहे हैं। झांकी के दौरान सभी संकायों ने अपनी उपलब्धियां दिखाईं। इससे पहले कुलपति प्रो. राकेश भटनागर ने करीब 10 बजे हरी झंडी दिखाकर शोभायात्रा का आरंभ किया। विभिन्न संकायों इकाईयों की ओर से 26 झांकियां निकाली गईं।

बीएचयू के स्थापना दिवस पर तिरंगे के साथ महिला महाविद्यालय की छात्राएं ● जागरण

कार्यक्रम में यह लोग रहे उपस्थित

रेक्टर प्रो. वीके शुक्ला, रजिस्ट्रार डा. नीरज त्रिपाठी, एफओ डा. एसबी पटेल, छात्र अधिष्ठाता प्रो. एमके सिंह, चीफ प्राक्टर प्रो. रॉयना सिंह, आइआइटी बीओजी के सदस्य व ग्लोबल एलुमनी एसोसिएशन के चेयरमैन नितिन मल्होत्रा, अधिष्ठाता प्रो. एके त्रिपाठी, रजिस्ट्रार डा. एसपी माथुर, प्रो. बीएन राय, ज्वाइंट चीफ प्रॉक्टर प्रो. प्रभाकर सिंह आदि की उपस्थिति खास रही।

बीएचयू के स्थापना दिवस पर हवन करते कुलपति व अन्य ● जागरण

इनकी भी झांकियां रहीं खास

सेंट्रल हिंदू गर्ल्स स्कूल की झांकी प्रिंसिपल आभा अग्रवाल के नेतृत्व में निकली, जिसकी थीम 'शिक्षित स्त्री, सशक्त समाज, महामना का अथक प्रयास' थी। एमएमवी की ओर से प्रो. चंद्रकला त्रिपाठी के नेतृत्व में 'महामना के सपनों का भारत', आयुर्वेद संकाय की ओर से 'महामना के सपनों का भारत- स्वस्थ निरोग समृद्ध भारत', दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय की ओर से 'स्वच्छता और सफलता थी महामना की इच्छा- मुख के अनेक रोगों से करो स्वयं की रक्षा', मार्डन मेडिसिन संकाय की ओर से 'उपचार से बेहतर बचाव', नर्सिंग कालेज की ओर से 'स्वस्थ सेवा ही जीवन है- स्वास्थ्य सुरक्षा के बिना सब व्यर्थ है', सर सुंदरलाल अस्पताल की ओर से 'स्वस्थ भारत एवं शिक्षित भारत', दृश्य कला संकाय की ओर से 'महामना के सपनों का दृश्य कल संकाय' आदि झांकियां खास रहीं।

वसंत पंचमी व बीएचयू के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उल्लास में छात्र-विद्यार्थी ● गौरव जायसवाल

संस्कृत विभाग की ओर से निकाली गई झांकी ● जागरण

आइआइटी की ओर से निकाली गई झांकी में तकनीक का प्रदर्शन करते छात्र